संख्या-609/2017/1142/22-2-2017-17(196)/2010

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 31 जुलाई, 2017***

विषय: केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी श्यामलाल श्री छेद्दू, निवासी जनपद-सीतापुर की 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्यालय कारागार के पत्र संख्या-16430/पर-2/सलाहकार समिति/(एम0 02.05.2017) दिनांक-22.05.2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र दिनांक 22.05.2017 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी श्यामलाल पुत्र श्री छेद्दू, ग्राम-जगदीशपुर, थाना-सिधौली, जनपद-सीतापुर का निवासी है। जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के मध्य चल रही मुकदमें बाजी की रंजिश के कारण बन्दी ने 09 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 19.11.1976 की शाम को कांता, बांका, बल्लम एवं लाठी से मारकर नत्थू एवं मैकू की हत्या की। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-327/1977 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149 के अन्तर्गत मा0 द्वितीय अपर सत्र न्यायालधीश, सीतापुर के आदेश दिनांक 23.05.1978 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 11.03.1996 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 08.02.2017 तक 20 वर्ष 11 माह 00 दिन की अपरिहार तथा 27 वर्ष 10 माह 20 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी तथा आयु 70 वर्ष 08 माह लगभग है। पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। सलाहकार समिति का अभिमत है कि जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के मध्य चल रही मुकदमें बाजी की रंजिश के कारण बन्दी ने 09 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 19.11.1976 की शाम को कांता, बांका, बल्लम एवं लाठी से मारकर नत्थू एवं मैकू की हत्या की। बन्दी द्वारा 02 व्यक्तियों की हत्या कर जघन्य अपराध कारित किया गया है। अत: बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा किए गये विरोध तथा मा0 न्यायालय के पीठासीन अधिकारी की राय के दृष्टिगत जेल मैनुअल के प्रस्तर-198 एव धारा-432 द0प्र0सं0 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी श्यामलाल पुत्र श्री छेद्दू को रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि बन्दी श्यामलाल (बन्दी संख्या-32869) पुत्र श्री छेद्दू, निवासी जनपद-सीतापुर की जेल मैनुअल के प्रस्तर-198 के अन्तर्गत 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है।

कृपया उपरोक्त निर्णय से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-609/2017/1142/(1)/22-2-2017 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, सीतापुर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।